

17/9/25

प्राथमिक चरण / किसी दार वकील उपस्थित
 है। लक्ष्मी दार रायगु हाथ रजराय पालन
 विशेष विचार मर्त जो वा पालन है जिसका
 अर्थ को पुनः किसी दार वकील को प्रचार
 मर्त जिसके उक्त प्रकार में ही मर्त कि
 राज्य अपील आदिपारी मर्त मु प्रकथ मर्त
 के मर्त पर मपील चलय रही है। मपील
 विचारधीन होने से रजराय की पालन
 मर्त की जा लक्ष्मी है। ही मर्त मु प्रकथ
 आदिपारी मर्त मपील मर्त के मर्त पर प्रकथ
 विचारधीन होने से उनके विधि से
 प्रचार की रजराय की पालन की जा
 लक्ष्मी है।

अतः प्रकरण में मपील से जाने
 प्रकरण विचारधीन होने से रजराय पालन
 की जा लक्ष्मी मर्त उक्त की जाती है।
 प्रकरण रही मर्त पर उक्त मर्त होने
 मर्त के मर्त है।

सत्यमेव जयते
 (सत्य ही जीतता है)